भैया के मुस्कान के चोरौलक



Level 4

Author: Sanjana Kapur
Illustrator: Sunaina Coelho
Translator: Kiran Choudhary



चिरु आ भैया सदिखन खेलाइत रहैत छलाह। ओ सभ कखनो सीढ़ी सभक तर मे पइस, तरह तरह के गुफा सभ के चीन्है मे लागि जाइत छलाह जेना कि ओ सब गुफा सभ के चीन्है बला पारखी ओ खोजी छथि,आओर कखनो घरक पछुवार मे ठाढ़ आमक गाछ पर दोसर ग्रह सँ आबैबला जीव सभसँ झगड़ा करैत छलाह।



भैया चिरु के सदिखन हँसबैत रहैत छलखिन्ह - "हे, आमासुरा मंगल ग्रह सँ आयल अछि, अहाँक घर तबाह करैक लेल!"

"हा! हा!" ई कहि भैया खिसियावथि। "ई बात जँ छैक तँ हम आमासुरा के अपन जाल मे फँसा लेबैक आओर ओकरा ओकर ओछाह इरादाक संग गीर जेबैक आ... हा! हा! हा! हा!" चिरु कहैथ।

मुदा देखू नै, आब चिरु आओर भैया के सँग सँग खेलाइत बहुत दिन भऽ गेल। आब तऽ भैया के ककरो संग खेलेनाइ नीक नहि लगैत छनि!चिरु भैया के चिचिया कहलनि -

"अहाँकेँ खेलेबाक मोन कियैक नहि होइत अछि?"

"नहि करैछ! हमरा ऊपर एक बड़का दैत जे सवार अछि," भैया कहलनि।





चिरु भैया ऊपर सवार दैत के नामो राखि देलनि-भावासुर!

भावासुर निश्चिते मतलबी ओ तामसी होयत, चिरु सोचैत छथि। एहेन लगैत अछि जे ईएह भैया के हँसी गीर लेलक अछि।'तहिया सँ
भावासुर भैया के ओना क पकड़लक जे छोरैक नामे नहि लेलक।

"दैत सँ कहि दियौक जे ओ भागि जै! हम ओकरा एकदमे नहि पसिन करैत छी,।" चिरु भैया सँ कहलनि।

कखनो काल भावासुर ट्रको सँ नमहर होइत अछि! तखने ने भैया के बात बात मे तामस उठैत छन्हि। एतेक तक जे ओ भोजनो तामसे भरल खाइत छथि।





माय के बुझना जाइत छनि जे ओ जनैत छथिन भैयाक मोन कोना ठीक हेतनि।
"अहाँके कने काल बाहर टहैल एबाक चाही। टटका ताजा बसात अहाँके फायदा करत" माय कहलथिन|



अधिकखन एना होइत छल जे लगैत अछि भावासुर भैया के जकड़ने छनि। ओतेक तक जे ओकरा कारण भैया ओछैन पर से उठि नहि पबैत छलाह।

बाबूजी कखनो काल भैया सँ हुनकर मोनक खोज खबैर लैत रहैत छथिन, आ हुनक मोन ठीक रखैक लेल उपाय सब बतबैत रहैत छथिन।

"की बात छैक,अहाँ भोजन कियैक नहि करैत छी?" बाबूजी कहलनि।" "ठीक सँ खायल- पियल करू जाहि सँ अहाँक तकलीफ हटि जायत।"





एहनो दिन होइत छैक जखन भावासुरक असैर कम भऽ जाइत छैक, आओर ओ कटल गुड्डी जकाँ मंड्राएत अछि। तखन भैया ओछैन छोड़ि चिरु संग खेलैत छथि। मुदा ओ तुरन्ते थाकि जाइत छथि।



नाना -नानी भैया के बुझेलखिन जे आखिर हुनका भेलनि की अछि।
"अरे, अहाँ सनक बच्चा आ तखन अहाँक संग समस्या सभ। छोट छोट बात सँ परेशान भऽ जाइत छी। जखन हम बच्चा रही तखन हम एतेक तन्नूक नहि छलौं,।" नाना कहलखिन।

[illegible] कँ बस एहि सभ [illegible] अहाँकँ एहि सबसँ [illegible] न।
[illegible]स करबैक [illegible] कहलखि [illegible] "मुदा ई सभ एतबो [illegible]हि अछि।"

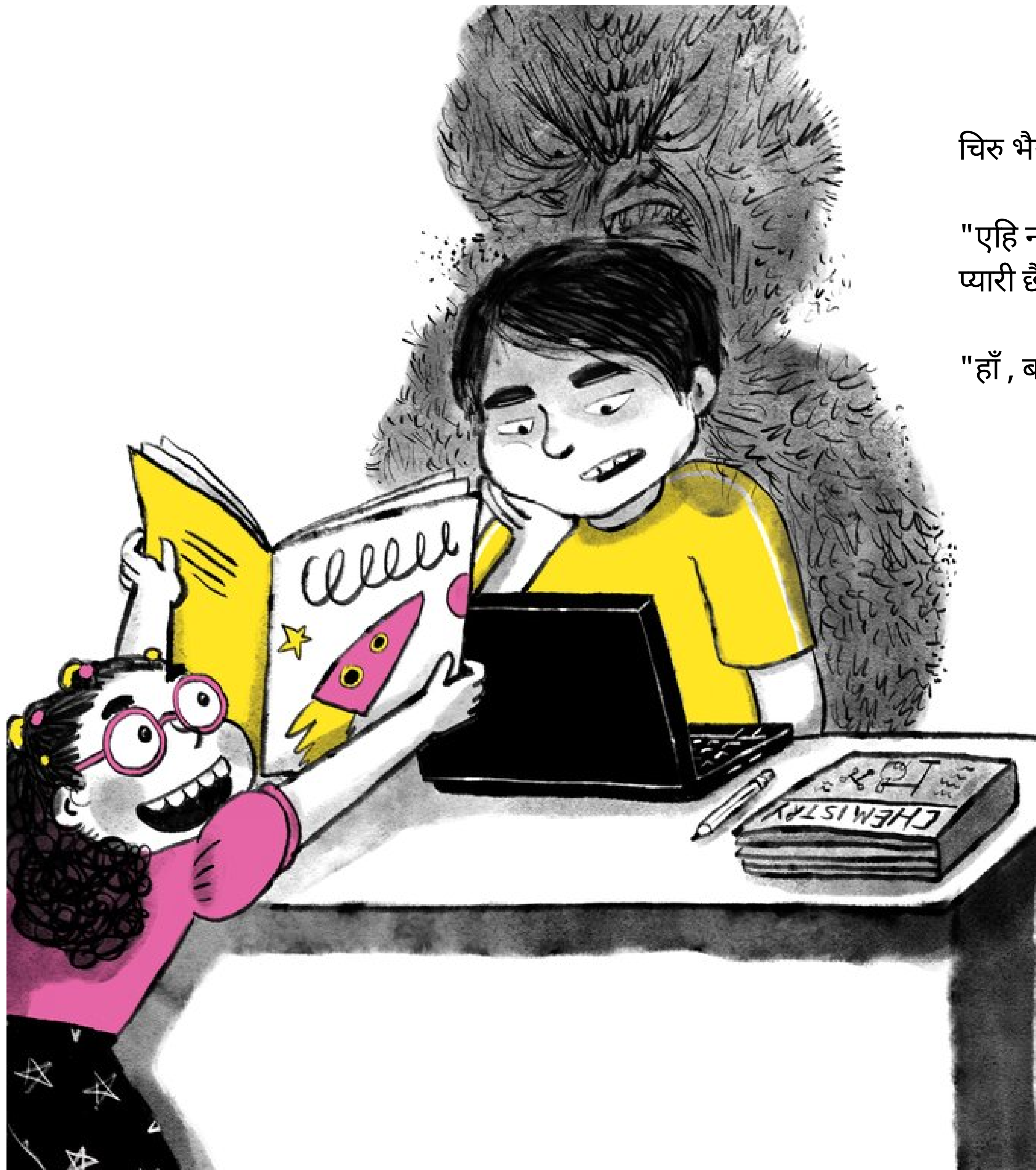










चिरु भैया के ध्यान बाँटैक प्रयास करैत छथिन।

"एहि नव पोथी के देखू भैया! ई फ़ोटो सभ कतेक सुन्नर और प्यारी छैक" चिरु चहैक कs बजली।

"हाँ , बढियाँ त छैक, चिरु," भैया बजलनि।



"भैया, अहाँ हमर नव रेलगाड़ी देखलौँ?" चिरु फेर चहकैत पुछलखिन।

"हँ, देखलौं। बढियाँ अछि!" भैया कहलनि।

"आमासुरा एतय अछि, भागू भैया!"

चिरु उल्लसित भऽ चिचिया के बजलीह। "एखन नहि, चिरु। एखन हमरा नहि खेलबाक अछि," भैया कहलखिन।





'भावासुरे भैया के उदास और चिड़चिड़ा बना के रखने अछि,' चिरु सोचय लगैत छथि।

ओ एकटा गेरुआ उठाकs भावासुर के मारैत छथि!" ई ले बदमसवा! हमर भैया के छोड़ि कतहु दूर चल जो आओर हुनकर हँसी आ मुस्कान वापस कs दे।



आइ भैया के जन्म दिन छनि।
चिरु भैया लेल केक बनोलनि अछि।

"धन्यवाद चिरु!" भैया मुस्केला।
चिरु के माथ पर किछु तनाव जकाँ आबि गेलनि।

"आइ-काल्हि भैया के मुस्कान बहुत अलग सनक छनि।"



चिरु भैया के लग मे बैस पुछैत छथिन्ह, "की अहाँ ओकरे कारण सँ परेशान छी जकरा सँ अहाँ हाले मे दोस्ती गढ़लौं अछि?"

भैया अपन गर्दैन हिला हाँ मे जबाब देलखिन।



भैया बुझाबय लगलखिन,"हमरा मोन होइत अछि जे हम खुश रहू मुदा एहेन केनाय कदाचित हमरा लेल हल्लुक नहि भऽ रहल अछि।"

"कनी हमरा कहू जे अहाँक दोस्त कहिया धरि एतय डटल रहत?" चिरु पुछैत छथिन।

"हमरा नहि पता अछि" भैया कहलखिन।

"कोनो बात नहि," चिरु कहलखिन," जखन जखन अहाँ के मोन हुए तखन तखन हम सभ खेला सकैत छी।"

भैया पहिले जकाँ मुस्करेला।
भावासुर छोट भऽ गेल।



भैया के डॉक्टर काकी सँ सेहो मदैद भेट रहल छनि।





तैयो भावासुर जस के तस अछि। कखनो काल ओ नमहर भऽ जाइत अछि। चिरु ओहेन दिन के बित जाय लेल प्रतीक्षा करैत छथि। अधिकतर दिन मे भावासुर छोट पड़ि जाइत अछि आ तखन भैया खेलाइ बास्ते तैयार रहैत छथिन।



एतय भावासुर के अर्थ अछि मोनक तनाव और अवसाद।

जखन ककरो हाथ टुटि जाइत अछि, वा फेर ओकरा खोंखी भऽ जाइत छैक तँ ओकरा चंगा होइक लेल दबाई खाय पड़ैत छैक। देह के आरो अंग जकाँ दिमागो के कोनो बात से तकलीफ भऽ सकैत छैक आओर तखन ओकरो ठीक करबाक बास्ते इलाजक आवश्यकता होइत छैक। कखनो काल हम सब उदास भऽ जाइत छी। हमसभ कनैत छी, दुःख करैत छी आओर तामस करैत छी परञ्च थोड़बे कालक बाद हमरा सभक मोन बदलि जाइत अछि आओर हम सब ठीक अनुभव करय लगैत छी। उदास भेनाइ एक सामान्य बात थिक।



कोनो कोनो व्यक्ति कैँ एहेन उदासी घेरैत छनि जे बहुत दिन तक खीहारैत रहैत छनि। दिमाग ओहेन होइत अछि जे सोचैक -समझैक लेल, महसूस करैक लेल आओर सभ काज करैक लेल हमरा सभ के मदद करैत अछि। तैँ कदाचित अगर हम सब अधिक समय तक उदास रहब , तँ दोसर के संग व्यवहार बदलि जायत। दिमागे हमरा सभ के चिड़चिड़ा बनबैत अछि आओर कोनो काज मे मोन नहि लगैत अछि। दिमाग एहनो ऐहसास करा सकैत अछि जे हमरा कोनो चाहत नहि अछि। किछु लोक के ओहेन बुझना जाइत छनि जे हुनका ऊपर कोनो दैत सवार छनि आ एहसास करबैत छनि जे ओ बहुत खराब आदमी छथि। किछु लोक कें एहनो लगैत छनि जे ओ दैत कहियो हुनकर पाछा नहि छोड़तैन। अही दैत के अवसाद या डिप्रेशन कहल जाइछ।कहियो अगर अहाँके ओहेन व्यक्ति भेटथि जे विना कारण उदास होथि त हुनका सँ बात करू। हुनका बतबियौन जे यद्यपि अहाँक मोनक भावना के भले ही बुझनाइ हमरा लेल मुश्किल अछि, इहो पता अछि जे अहाँ द्वारा सहनाइ सेहो कठिन अछि, तैँ हेतु हम मदद करय चाहैत छी। अगर खुद अहाँ के एहेन किछु महसूस हो त अपन परिवार आ दोस्त के अवस्से बतबियौन। अहाँके मनोवैज्ञानिक वा मनोचिकित्सक सँ सेहो मदद भेटि सकैत अछि।







Acknowledgements



Aripana Foundation, Darbhanga, works for the development of North Bihar with a focus on education. Through Project Lemon-choos, it strives to create quality children's literature in the underserved language Maithili. Aripana Foundation has coordinated the creation of this book with several individuals, in partnership with Pratham Books' Storyweaver.

storyweaver PRATHAM BOOKS

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: भैया के मुस्कान के चोरौलक is translated by Kiran Choudhary . The © for this translation lies with Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Who Stole Bhaiya's Smile?', by Sanjana Kapur . © Pratham Books , 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Bhaiyak Muskan Ke Choraulak' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. www.prathambooks.org.

Images Attributions:

Cover page: Brother sister with a monster behind them, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: A boy chasing a monster, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: A boy and a girl playing with mangoes, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: boy with a big shadow behind him, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: boy with a big shadow holding him, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: family eating a meal together, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A boy talking sadly with his mother, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: monster sleeping on a little boy, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: father reading a newspaper, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: boy chasing his sister, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

storyweaver PRATHAM BOOKS

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: boy talking to his grandparents, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: boy surrounded, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: little girl shows a book to a boy, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: girl playing while her brother stands angrily, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: girl throwing a pillow, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: girl staring at a picture on the phone, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: A brother and sister sitting and discussing, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: boy and a monster look at each other angrily, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: boy and a little girl smiling at each other, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: A young boy talking to a doctor, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: A brother and sister playing inside a blanket fortress, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: A sad brain inside a head, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/



This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 23: sliced mango on the floor, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 28: sliced mango on the floor, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

भैया के मुस्कान के चोरौलक

(Maithili)

भैया के खेलब आई काल्हि नीक नहि लागि रहल अछि। की इ हुनकर नव मित्र भावासुर तऽ नहि, जे हुनकर चानि पर नचैत रहैत छनि? परिवार मे केओ भैया के गंभीरता सं नहि ल रहल छनि। मुदा चीरु के बुझल छैक कि की बात छैक। एकटा खिस्सा मानसिक परेशानी के ऊपर।

This is a Level 4 book for children who can read fluently and with confidence.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!